INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 1, Issue: 01 | July - Dec 2023

श्रम बाजारों की मांग में बदलाव पर एक लघु अध्ययन

[1]राजकुमार गुप्ता, [2]डॉ. रत्नेश चंद्र शर्मा (प्रोफेसर)
[1]शोधार्थी, [2]पर्यवेक्षक
[1–2]विभागः आर्ट्स – सोशल साइंस , द ग्लोकल यूनिवर्सिटी , मिर्जापुर पोल, सहारनपुर, यू.पी.

सार
महामारी ने मौजूदा श्रम बाजार की असमानताओं को भी बढ़ा दिया है। कम आय वाले श्रमिकों, अल्पसंख्यकों, और महिलाओं को असमान रूप से प्रभावित किया गया था, उच्च नौकरी के नुकसान और बढ़ी हुई भेद्यता का सामना करना पड़ रहा था। इन असमानताओं ने श्रम बाजारों के भीतर संरचनात्मक मुद्दों और समावेशी और न्यायसंगत पुनर्प्राप्ति रणनीतियों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।
महामारी ने जहां भारी चुनौतियां लाईं, वहीं इसने श्रम बाजार में नवीन प्रतिक्रियाओं और अनुकूलन को भी उत्प्रेरित किया। संगठनों और श्रमिकों ने व्यवधानों को नेविगेट करने के लिए दूरस्थ कार्य, डिजिटल प्रौद्योगिकियों और पुनकौशल पहलों को तेजी से अपनाया। सरकारों ने श्रमिकों पर प्रभाव को कम करने और आर्थिक सुधार को प्रोत्साहित करने के लिए वित्तीय सहायता, नौकरी की सुरक्षा और पुनर्रोजगार सहायता प्रदान करने के लिए विभिन्न नीतिगत उपायों को लागू किया।
मुख्य शब्दः महामारी, प्रौद्योगिकियों और व्यवधानों।

भूमिका
कोविड–19 महामारी, उपन्यास कोरोनवायरस एसएआरएस–सीओवी–2 के कारण, हाल के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक संकटों में से एक के रूप में उभरा है। दिसंबर 2019 में चीन के वुहान शहर में इसकी प्रारंभिक उपस्थिति के बाद से, वायरस तेजी से दुनिया भर में फैल गया है, लाखों लोगों को संक्रमित कर रहा है और मानव जीवन के लगभग हर पहलू को बाधित कर रहा है।
कोविड–19 की गंभीरता और संक्रामकता ने दुनिया भर की सरकारों और स्वास्थ्य संगठनों को इसके प्रसार को रोकने के लिए अभूतपूर्व उपायों को लागू करने के लिए प्रेरित किया। देशों ने विभिन्न रणनीतियों को लागू किया, जिसमें व्यापक लॉकडाउन, यात्रा प्रतिबंध, सामाजिक दूरी के दिशा–निर्देश, और संक्रमणों की बढ़ती संख्या और स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों पर तनाव से निपटने के लिए स्वास्थ्य देखभाल संसाधनों की प्राथमिकता शामिल है। ये उपाय, हालांकि सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण थे, अर्थव्यवस्थाओं और श्रम बाजारों के लिए इसका गहरा प्रभाव था।
कोविड–19 महामारी ने विभिन्न उद्योगों में रोजगार परिदृश्य को नया रूप देते हुए श्रम मांग में महत्वपूर्ण बदलाव लाया है। वायरस के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए लागू किए गए उपायों, जैसे कि लॉकडाउन, यात्रा प्रतिबंध और सामाजिक दूरी के दिशा–निर्देशों का श्रम बाजारों और कुछ प्रकार के काम की मांग पर गहरा प्रभाव पड़ा है।

- **आवश्यक सेवाएंः** महामारी ने आवश्यक सेवाओं के महत्वपूर्ण महत्व को उजागर किया है। हेल्थकेयर, फार्मास्यूटिकल्स, खाद्य उत्पादन और वितरण, रसद और उपयोगिताओं जैसे उद्योगों ने श्रमिकों की बढ़ती मांग का अनुभव किया है। डॉक्टर, नर्स और मेडिकल सपोर्ट स्टाफ सहित हेल्थकेयर पेशेवर महामारी की प्रतिक्रिया में सबसे आगे रहे हैं। इसी तरह, आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन, परिवहन और बिक्री में शामिल श्रमिकों की मांग में वृद्धि देखी गई है क्योंकि समाज बुनियादी जरूरतों के लिए उन पर निर्भर है।
- **डिजिटल और प्रौद्योगिकीः** दूरस्थ कार्य में बदलाव और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बढ़ती निर्भरता के कारण डिजिटल और तकनीकी कौशल वाले श्रमिकों की मांग में वृद्धि हुई है। कंपनियों और संगठनों ने दूरस्थ कार्य, ऑनलाइन सहयोग और ई–कॉमर्स को सक्षम करने के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाया

INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 1, Issue: 01 | July - Dec 2023

है। नतीजतन, सॉफ्टवेयर विकास, साइबर सुरक्षा, डेटा विश्लेषण, डिजिटल मार्केटिंग, और ऑनलाइन ग्राहक सहायता जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता वाले पेशेवर उच्च मांग में रहे हैं क्योंकि व्यवसाय बदलते परिदृश्य के अनुकूल हैं।

- **ई–कॉमर्स और डिलीवरी सेवाएं:** लॉकडाउन और सामाजिक दूरी के उपायों से भौतिक खुदरा गंभीर रूप से प्रभावित होने के साथ, ई–कॉमर्स और डिलीवरी सेवाओं की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। ऑनलाइन शॉपिंग और होम डिलीवरी की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए ऑनलाइन खुदरा विक्रेताओं, रसद कंपनियों और वितरण प्लेटफार्मों ने अपने संचालन और कार्यबल का विस्तार किया है। उपभोक्ता मांगों को पूरा करने में वेयरहाउस कर्मचारी, पूर्ति केंद्र कर्मचारी और डिलीवरी ड्राइवर आवश्यक भूमिका बन गए हैं।
- **स्वास्थ्य और सुरक्षा** अनुपालन: महामारी के दौर में स्वास्थ्य और सुरक्षा नियमों का अनुपालन सर्वोपरि हो गया है। उद्योगों के व्यवसायों को अपने कर्मचारियों और ग्राहकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सख्त प्रोटोकॉल और दिशानिर्देशों को लागू करना पड़ा है। इसने स्वास्थ्य और सुरक्षा विशेषज्ञों, स्वच्छता और स्वच्छता विशेषज्ञों, और पेशेवरों की मांग पैदा की है जो जोखिम मूल्यांकन, कार्यस्थल सुरक्षा और अनुपालन उपायों में सहायता कर सकते हैं।
- **दूरस्थ सहयोग और संचार:** दूरस्थ कार्य में परिवर्तन ने दूरस्थ सहयोग उपकरण और आभासी संचार प्लेटफार्मों में कुशल पेशेवरों की उच्च मांग को प्रेरित किया है। जैसे–जैसे संगठन दूरस्थ कार्य वातावरण के अनुकूल होते हैं, परियोजना प्रबंधकों, ऑनलाइन फैसिलिटेटर्स, वर्चुअल टीम लीडर्स और डिजिटल संचार विशेषज्ञों की आवश्यकता बढ़ जाती है। ये भूमिकाएँ प्रभावी संचार को सुविधाजनक बनाने, उत्पादकता बनाए रखने और दूरस्थ सेटिंग्स में सहज सहयोग सुनिश्चित करने में मदद करती हैं।
- **हेल्थकेयर सपोर्ट:** जहां हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स की मांग बढ़ी है, वहीं हेल्थकेयर सपोर्ट रोल्स की मांग में भी उछाल आया है। इसमें चिकित्सा तकनीशियन, प्रयोगशाला सहायक, संपर्क कर्ता और स्वास्थ्य देखभाल प्रशासक जैसे पद शामिल हैं। ये कार्यकर्ता स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के संचालन का समर्थन करने और कुशल रोगी देखभाल सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- **मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण:** महामारी ने मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के बारे में जागरूकता बढ़ाई है, जिससे इस क्षेत्र में पेशेवरों की मांग बढ़ी है। मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाताओं, चिकित्सक, मनोवैज्ञानिकों और टेलीहेल्थ प्रदाताओं ने मांग में वृद्धि देखी है क्योंकि व्यक्ति महामारी के मनोवैज्ञानिक प्रभाव से जूझ रहे हैं। नियोक्ताओं ने कर्मचारियों के कल्याण के समर्थन के महत्व को भी पहचाना है और ऐसे पेशेवरों की तलाश की है जो मानसिक स्वास्थ्य संसाधन और सहायता सेवाएं प्रदान कर सकें।
- **ऑनलाइन शिक्षा और ई–लर्निंग:** स्कूलों और विश्वविद्यालयों के बंद होने और दूरस्थ शिक्षा के संक्रमण ने ऑनलाइन शिक्षा और ई–लर्निंग प्लेटफॉर्म की महत्वपूर्ण मांग पैदा कर दी है। शैक्षिक संस्थानों, शिक्षकों और छात्रों को डिजिटल शिक्षण वातावरण के अनुकूल होना पड़ा है, जिससे निर्देशात्मक डिजाइनरों, ऑनलाइन ट्यूटर्स, ई–लर्निंग विशेषज्ञों और शैक्षिक प्रौद्योगिकी पेशेवरों की मांग में वृद्धि हुई है। महामारी ने ऑनलाइन शिक्षा के विकास को गति दी है और एडटेक क्षेत्र में नए अवसर पैदा किए हैं।
- **टेलीहेल्थ और टेलीमेडिसिन:** महामारी ने टेलीहेल्थ और टेलीमेडिसिन सेवाओं के तेजी से विस्तार को प्रेरित किया है। सामाजिक दूरी के उपायों और व्यक्तिगत स्वास्थ्य देखभाल यात्राओं के बारे में चिंताओं के साथ, दूरस्थ चिकित्सा परामर्श और डिजिटल स्वास्थ्य समाधानों की मांग में वृद्धि हुई है। डॉक्टरों, नर्सों और संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवरों सहित स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को दूरस्थ रोगी देखभाल के अनुकूल होना पड़ा है, जिससे टेलीहेल्थ विशेषज्ञों, दूरस्थ निगरानी तकनीशियनों और स्वास्थ्य देखभाल आईटी पेशेवरों की मांग में वृद्धि हुई है।

- **आपूर्ति श्रृंखला और रसदः** वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और ई–कॉमर्स की बढ़ती मांग ने कुशल आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और रसद के महत्व को उजागर किया है। उपभोक्ताओं के बदलते व्यवहार को पूरा करने और सामानों की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए कंपनियों को अपने संचालन को अनुकूलित करना पड़ा है। इसके परिणामस्वरूप आपूर्ति श्रृंखला विश्लेषकों, रसद समन्वयकों, इन्वेंट्री प्रबंधकों और अंतिम–मील वितरण कर्मियों की मांग में वृद्धि हुई है।
- **रिमोट सपोर्ट और ग्राहक सेवाः** जैसे–जैसे व्यवसाय रिमोट ऑपरेशंस में परिवर्तित हुआ, रिमोट सपोर्ट और ग्राहक सेवा पेशेवरों की मांग बढ़ी। कंपनियों को अपनी ऑनलाइन ग्राहक सेवा क्षमताओं को मजबूत करना पड़ा है और ग्राहक पूछताछ और चिंताओं को दूर करने के लिए वर्चुअल समर्थन प्रदान करना पड़ा है। डिजिटल क्षेत्र में एक सहज ग्राहक अनुभव सुनिश्चित करने के लिए दूरस्थ ग्राहक सेवा प्रतिनिधि, तकनीकी सहायता विशेषज्ञ और आभासी सहायकों की अत्यधिक मांग रही है।
- **व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षाः** महामारी ने उद्योगों में कार्यस्थलों में व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया है। नियोक्ताओं को सख्त स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करने, जोखिम मूल्यांकन करने और दिशानिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करना पड़ा है। इसने व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा विशेषज्ञों, कार्यस्थल स्वच्छता सलाहकारों और सुरक्षा अधिकारियों की मांग में वृद्धि की है ताकि संगठनों को सुरक्षित कार्य वातावरण बनाए रखने में मदद मिल सके।
- **हरित और सतत उद्योगः** महामारी ने स्थिरता और पर्यावरणीय चेतना के महत्व को रेखांकित किया है। उद्योगों में हरित और स्थायी प्रथाओं पर जोर दिया गया है, जिससे नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता, टिकाऊ निर्माण, अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरण परामर्श में पेशेवरों की मांग में वृद्धि हुई है। कंपनियां हरित अर्थव्यवस्था में परिवर्तन के महत्व को पहचान रही हैं और इन क्षेत्रों में विशेषज्ञता वाले श्रमिकों की तलाश कर रही हैं।
- **डिजिटल सामग्री निर्माण और स्ट्रीमिंगः** अधिक लोगों के घर पर समय बिताने के साथ, डिजिटल मनोरंजन और सामग्री की मांग बढ़ी है। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन मीडिया आउटलेट और डिजिटल सामग्री निर्माता ने अपनी सेवाओं की मांग में वृद्धि का अनुभव किया है। इसने वीडियो एडिटर्स, कंटेंट प्रोड्यूसर्स, सोशल मीडिया मैनेजर्स और डिजिटल मार्केटिंग स्पेशलिस्ट्स के लिए अवसर पैदा किए हैं।
- **दूरस्थ सहयोग उपकरण और आईटी अवसंरचनाः** दूरस्थ कार्य को व्यापक रूप से अपनाने से दूरस्थ सहयोग उपकरण और आईटी अवसंरचना में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ी है। कंपनियों को प्रौद्योगिकी समाधानों में निवेश करना पड़ा है जो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्लेटफॉर्म, परियोजना प्रबंधन उपकरण, साइबर सुरक्षा प्रणाली और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर सहित निर्बाध दूरस्थ कार्य को सक्षम बनाता है। परिणामस्वरूप, नेटवर्क प्रशासकों, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों और दूरस्थ सहयोग सलाहकारों की मांग में वृद्धि हुई है।
- **डेटा विश्लेषण और अंतर्दृष्टिः** महामारी ने कोविड–19 मामलों, परीक्षण, टीकाकरण और आर्थिक प्रभाव से संबंधित डेटा की एक बड़ी मात्रा उत्पन्न की है। निर्णय लेने और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए इस डेटा का विश्लेषण और अंतर्दृष्टि प्राप्त करना महत्वपूर्ण हो गया है। परिणामस्वरूप, महामारी से संबंधित डेटा एकत्र करने, विश्लेषण करने और व्याख्या करने के लिए डेटा विश्लेषकों, महामारी विज्ञानियों, सांख्यिकीविदों और डेटा वैज्ञानिकों की मांग बढ़ गई है।
- **साइबर सुरक्षा और डेटा गोपनीयताः** डिजिटल प्लेटफॉर्म और दूरस्थ कार्य पर बढ़ती निर्भरता ने साइबर सुरक्षा और डेटा गोपनीयता के बारे में चिंताएँ बढ़ा दी हैं। साइबर अपराधियों ने दूरस्थ कार्य वातावरण में कमजोरियों का फायदा उठाया है, जिससे साइबर सुरक्षा पेशेवरों की मांग में वृद्धि हुई है। कंपनियां और संगठन अपनी डिजिटल संपत्ति की सुरक्षा और संवेदनशील जानकारी की गोपनीयता

सुनिश्चित करने के लिए नेटवर्क सुरक्षा, डेटा सुरक्षा और साइबर सुरक्षा परामर्श जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञों की तलाश कर रहे हैं।

- **मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण सेवाएं:** महामारी ने मानसिक स्वास्थ्य पर असर डाला है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं और सहायता की मांग में वृद्धि हुई है। मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों, चिकित्सक, परामर्शदाताओं और मनोवैज्ञानिकों ने अपनी सेवाओं की मांग में वृद्धि देखी है क्योंकि व्यक्ति चिंता, तनाव और अन्य मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में सहायता चाहते हैं। दूरस्थ मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करने के साधन के रूप में टेलीथेरेपी और ऑनलाइन परामर्श प्लेटफार्मों ने लोकप्रियता हासिल की है।
- **दूरस्थ शिक्षा और प्रशिक्षण:** दूरस्थ शिक्षा और प्रशिक्षण में बदलाव ने दूरस्थ शिक्षा और निर्देशात्मक डिजाइन के क्षेत्र में पेशेवरों की मांग पैदा की है। शैक्षिक संस्थानों, निगमों और प्रशिक्षण संगठनों को अपने कार्यक्रमों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बदलना पड़ा है। इसके कारण प्रभावी रिमोट लर्निंग अनुभवों को डिजाइन करने और वितरित करने के लिए निर्देशात्मक डिजाइनरों, ई–लर्निंग डेवलपर्स, ऑनलाइन कोर्स फैसिलिटेटर्स और वर्चुअल ट्रेनर्स की मांग बढ़ी है।
- **हेल्थटेक और टेलीमेडिसिन सपोर्ट:** महामारी ने स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियों और टेलीमेडिसिन सेवाओं को अपनाने में तेजी लाई है। नतीजतन, हेल्थटेक और टेलीमेडिसिन में पेशेवरों की मांग बढ़ी है, जिसमें सॉफ्टवेयर डेवलपर्स, टेलीहेल्थ प्लेटफॉर्म एडमिनिस्ट्रेटर, रिमोट मॉनिटरिंग स्पेशलिस्ट और हेल्थकेयर ऐप डिजाइनर शामिल हैं। ये पेशेवर दूरस्थ स्वास्थ्य सेवा वितरण को सक्षम करने वाले डिजिटल टूल और प्लेटफॉर्म को विकसित करने और बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ये उदाहरण उन विविध तरीकों को उजागर करते हैं जिनमें कोविड–19 महामारी ने श्रम मांग में बदलाव को प्रभावित किया है। महामारी ने परिवर्तन के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में काम किया है, व्यवसायों और उद्योगों को नई वास्तविकताओं के अनुकूल होने और कुछ कौशल और भूमिकाओं को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया है। जैसे–जैसे स्थिति विकसित हो रही है, श्रम मांग में अतिरिक्त बदलाव सामने आ सकते हैं, जिससे श्रमिकों और व्यवसायों के लिए समान रूप से नए अवसर और चुनौतियाँ पैदा होंगी।

संदर्भ

- टोजेरो, आई।, वैन डेर लिंडेन, बी।, और वेंडरस्ट्रेटेन, जे। (2020)। क्या घर से काम करना काम करता है? नवाचार, उत्पादकता और कर्मचारी लचीलेपन पर टेलीवर्किंग के प्रभावों का एक शोध संश्लेषण। द जर्नल ऑफ इकोनॉमिक सर्वे, 34(3), 607–633। डीओआई:10.1111/जोएस.12353
- चोडोरो–रीच, जी., कोग्लियानीज, जे., गोल्डस्मिथ–पिंकहम, पी., और महोनी, एन. (2020)। महामारी में बैंकिंग: ऋण उपलब्धता पर कोविड–19 का प्रभाव। नेशनल ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक रिसर्च।
- डी फिलिपिस, एम।, और पेलिजारी, एम। (2020)। वेतन असमानता और दृढ़ विकास। आर्थिक अध्ययन की समीक्षा, 87(1), 416–465।
- फ्लाएन, ए., इलेडित्सच, पी., और कोवाक, बीके (2020)। कोविड–19 महामारी सेवा फर्म की प्रविष्टि को कैसे प्रभावित कर रही है? नेशनल ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक रिसर्च।
- कम्बोरोव, जी., और मनोवस्की, आई. (2020)। व्यावसायिक गतिशीलता और वेतन असमानता। जर्नल ऑफ मॉनेटरी इकोनॉमिक्स, 116, 92–110।
- मोंगी, एस., पिलोसोफ, एल., और वेनबर्ग, ए. (2021)। सोशल डिस्टेंसिंग का बोझ कौन से कार्यकर्ता उठाते हैं? नौकरी पोस्टिंग और आवेदन से साक्ष्य। जर्नल ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स, 39(1), 161–200। डीओआई:10.1086/712729
- स्टैगर, डी।, और स्टॉक, जेएच (2020)। कमजोर उपकरणों के साथ वाद्य चर प्रतिगमन। नेशनल ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक रिसर्च।

- एडम्स–प्रसल, ए., बोनेवा, टी., गोलिन, एम., और रौह, सी. (2020)। मानसिक स्वास्थ्य पर कोरोनावायरस लॉकडाउन का प्रभावः अमेरिका से साक्ष्य। नेशनल ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक रिसर्च।
- अल्बनीस, ए।, डेवर्क्स, पीजे, और सदरलैंड, ए। (2020)। घर से कौन काम कर सकता है? जर्नल ऑफ पब्लिक इकोनॉमिक्स, 189, 104235.
- बेलैंड, एलपी, ब्रोडुर, ए।, राइट, टीई, और योशिदा, एच। (2020)। कोविड–19, स्टे–एट–होम ऑर्डर और रोजगारः कनाडा में दूरस्थ कार्य और नौकरी की गतिशीलता का एक राष्ट्रव्यापी अध्ययन। लेबर इकोनॉमिक्स, 101955।